साप्ताहिक
युवा प्रदेश
Freedom Of Speech
RNI. NO. MPHIN/2015/76299
संपादक-नागेश नरवरिया
YP24 NEWS
जिले एवं तहसीलों में संवाददाता नियुक्त करना है संपर्क करें ...
संपर्क करे- 9425156055
वर्ष-10 अंक-06 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 27 मार्च 2026 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ-08 मूल्य 2 रूपये

IT Act, 2000- इंटरनेट पर कलुषित भावना पैदा करने वाले फोटो वीडियो डालना, किस धारा के तहत कितनी सजा होगी

वर्तमान समय में हम देखते हैं कि बहुत से फर्जी व्यक्ति या अनजान व्यक्ति अपनी स्वंय की प्रोफ़ाइल आईडी या मोबाइल, कम्प्यूटर, से व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर आदि पर अश्लीलता फैलाने वाली कोई पोस्ट को अपलोड यानि पब्लिश करते हैं या कोई फ़ोटो, वीडियो आदि को अपलोड कर शेयर करते हैं, तब ऐसा करने वाले व्यक्ति के खिलाफ आप थाने में किस कानून के अंतर्गत डारेक्ट एफआईआर दर्ज करवा सकते हैं जानिए।

सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 67 की परिभाषा कोई भी व्यक्ति इलेक्ट्रॉनिक रुप से सोशल मीडिया पर ऐसी पोस्ट, फ़ोटो, वीडियो, आडियो को शेयर करेगा या प्रकाशित करेगा जिससे की व्यक्ति के अन्दर कलुषित (गंदी) भावना उत्पन्न हो, जो लोगों को अपनी मर्यादा भंग करने के लिए प्रेरित करता हो, जिसे आपत्तिजनक माना जाएगा। तब ऐसा करने वाला कोई भी व्यक्ति उपर्युक्त धारा 67 के अंतर्गत दोषी होगा ।

सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 66 (ग) के अंतर्गत दण्ड का प्रावधान–

यह अपराध समझोता योग्य नही है यह संज्ञेय एवं अजमानतीय अपराध हैं, अपराध का विचारण प्रथम वर्ग के मजिस्ट्रेट द्वारा किया जाएगा। अधिनियम के अनुसार अपराध का इन्वेस्टिगेशन करने की शक्ति निरीक्षक (इंस्पेक्टर) की नीचे की पक्ति के पुलिस अधिकारी को नहीं हैं।

सजा- इस अपराध के लिए इस प्रकार के प्रथम बार दोषसिद्धि पर तीन वर्ष की कारावास एवं पाँच लाख रुपए का जुर्माना हो सकता है।

दूसरी बार दोषसिद्धि पर पाँच वर्ष की कारावास और दस लाख रुपए तक का जुर्माना हो सकता है।

नोटः IPC की धारा 292 (अश्लील सामग्री को प्रकाशित करना या बेचना अपराध का इस धारा पर कोई प्रभाव नहीं होगा क्योंकि यह एक विशेष विधि हैं जो इलैक्ट्रोनिक साधन द्वारा फैलाए जा रहे अपराध को नियंत्रण करती है।

– लेखक एडवोकेट बी. आर. अहिरवार (विधिक सलाहकार नर्मदापुरम) 9827737665

राज्य सरकार सच्चा वादा और पक्का काम के ध्येय को साकार करते हुए बढ़ रही है संकल्प से सिद्धि की ओर : मुख्यमंत्री यादव

भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी सरकार ÷सच्चा वादा और पक्का काम÷ के ध्येय को साकार करते हुए संकल्प से सिद्धि की ओर बढ़ रही है। उज्जैन में 3 साल पहले बाबा महाकाल का महालोक बना। उसके बाद प्रदेश में प्रमुख तीर्थ स्थलों को धाम के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है। आज चैत्र नवरात्रि में पांढुर्णा के जामसांवली मंदिर में श्री हनुमान लोक सहित 362 करोड़ रूपए से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन अद्भुत अवसर है। उन्होंने जामसांवली श्री हनुमान लोक के दूसरे चरण के विकास कार्यों के लिए घोषणा की तथा बताया कि यहां श्रद्धालुओं के लिए 10 बिस्तर का छोटा अस्पताल भी बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रीराम नवमी के अवसर पर शुक्रवार को भोपाल से राजा रामचंद्र धाम ओरछा के लिए पीएमश्री हेलीकॉप्टर सेवा का शुभारंभ होगा। श्री हनुमान लोक का लोकार्पण प्रदेश में राम राज्य की स्थापना के प्रति सरकार की आस्था को प्रकट करता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव पांढुर्णा में स्थित जामसांवली मंदिर में श्री हनुमान लोक के प्रथम चरण के लोकार्पण अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 111 करोड़ 63 लाख रूपए की लागत के 31 विकास कार्यों का लोकार्पण और 251 करोड़ 18 लाख रूपए की लागत के 33 विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्व-सहायता समूह की बहनों को ऋण स्वीकृति पत्र और किसानों को पट्टों का वितरण किया। उन्होंने प्राकृतिक खेती में उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को पांढुर्णा जिले की पहचान संतरे की डलिया भेंट की गई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश केसाथ मध्यप्रदेश भी आगे बढ़ रहा है। खाड़ी में युद्ध की स्थिति में प्रधानमंत्री भारत के स्वाभिमान के साथ विदेश नीति पर निर्णय ले रहे हैं। भारत सरकार के संकल्प से ही संकट के समय विदेशों में फंसे हजारों भारतीयों की स्वदेश वापसी संभव हो पाई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्री हनुमान ने जीवन में बड़ी चुनौतियों का अडिग रहते हुए सामना किया। प्रभु श्रीराम ने संकट के समय जब भी हनुमान जी को याद किया, उन्होंने पल भर में समस्या का समाधान कर दिया। जय बजरंगबली से हमें सीख मिलती है कि जीवन में कभी भी विनम्रता को नहीं छोड़ना चाहिए। साथ ही मन-बुद्धि के साथ अपने शरीर के स्वास्थ्य का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए।

यदि कोई, किसी दूसरे के नाम से इंटरनेट पर एक्टिव हो जाए तो किस धारा के तहत FIR होगी, जानिए

बहुत से साइबर अपराध ऐसे होते हैं जो कम्प्यूटर, लैपटॉप या मोबाइल में सेव हमारी पहचान को चुरा लेते हैं जैसे हमारी व्हाट्सएप, फेसबुक, ट्वीटर, ष्टह्याष्ट, ऑनलाइन ट्रांजेक्शन आईडी, डिजिटल हस्ताक्षर एवं किसी भी प्रकार को लॉगिन आईडी को चुरा कर बेईमानी या कपटपूर्ण आशय से उसका इस्तेमाल स्वंय करते हैं तब ऐसे व्यक्ति के खिलाफ थाने में किस कानून के अंतर्गत सीधे एफआईआर दर्ज होगी जानिए।

सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 66 (ग) की परिभाषा– कोई भी व्यक्ति कपटपूर्वक या बेईमानी से किसी अन्य व्यक्ति के डिजिटल हस्ताक्षर, किसी भी प्रकार के लॉगिन पासवर्ड, या कोई अन्य पहचान का उपयोग स्वंय के लिए करेगा वह उपर्युक्त धारा के अंतर्गत दोषी होगा। (सरल शब्दों में यदि कोई व्यक्ति, किसी अन्य व्यक्ति की पहचान का उपयोग इंटरनेट पर करेगा तो वह उपरोक्त धारा 66 (ग) के अंतर्गत अपराधी माना जाएगा)

सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम,2000 की धारा 66 (ग) के अंतर्गत दण्ड का प्रावधान

यह अपराध समझोता योग्य है उसी न्यायालय द्वारा जहाँ अपराध का विचारण है एवं यह संज्ञेय एवं जमानतीय अपराध हैं। अधिनियम के अनुसार अपराध का इन्वेस्टिगेशन करने की शक्ति निरीक्षक (इंस्पेक्टर) की नीचे की पक्ति के पुलिस अधिकारी को नहीं हैं। सजा- इस अपराध के लिए अधिकतम तीन वर्ष की कारावास एवं एक लाख रुपए का जुर्माना से दण्डित किया जा सकता है।

लेखक एडवोकेट बी. आर. अहिरवार (विधिक सलाहकार नर्मदापुरम) 9827737665

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पांढुर्णा जिले के सौसर में विकास कार्यों के भूमि-पूजन और लोकार्पण समारोह में हितलाभ वितरित किए।

'अब हर नागरिक होगा जागरूक अप्रैल से यातायात कार्यशालाएं'

कैलाश कुमार अहिरवार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

कानपुर - बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को रोकने हेतु प्रयासरत संस्था वरदान फाउंडेशन द्वारा आज रामजानकी मंदिर, बर्रा-2 के निकट जिला उपाध्यक्ष डॉ. अभिषेक दीक्षित के कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में यातायात जागरूकता कार्यक्रमों एवं आगामी कार्यशालाओं के आयोजन पर विस्तृत चर्चा की गई। संस्था द्वारा निर्णय लिया गया कि अप्रैल माह से सदस्यों एवं आम नागरिकों के लिए नियमित रूप से यातायात जागरूकता कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी।

बैठक में वक्ताओं ने बताया कि दिन-प्रतिदिन सड़क दुर्घटनाओं में हो रही वृद्धि अत्यंत चिंताजनक है। पिछले दो वर्षों में लगभग 10 से 12 प्रतिशत तक वृद्धि दर्ज की गई है। इसी परिप्रेक्ष्य में आगामी वर्ष के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई। बैठक की अध्यक्षता महासचिव कृष्णा शर्मा ने की। उन्होंने संस्था के सभी पदाधिकारियों को अनुशासन एवं समर्पण के साथ कार्य करने हेतु प्रेरित करते हुए पूर्व में किए गए जागरूकता कार्यक्रमों के लिए आभार व्यक्त किया।

महामंत्री वीरेंद्र कुमार शर्मा ने प्रत्येक माह कम से कम एक जागरूकता कार्यक्रम, हस्ताक्षर अभियान एवं शपथ ग्रहण अभियान चलाने पर बल दिया। वहीं जिला अध्यक्ष पीयूष मिश्रा ने यातायात प्रशिक्षण कार्यशालाओं के आयोजन का प्रस्ताव रखा। जिला उपाध्यक्ष डॉ. अभिषेक दीक्षित ने संस्था के ÷सहायता मित्रों÷ के लिए सीपीआर (ष्टक्क) एवं फर्स्ट एड प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करने का सुझाव दिया, जिसे सर्वसम्मति से अनुमोदन प्राप्त हुआ। बैठक में जिला उपाध्यक्ष (द्वितीय) विजय श्रीवास्तव एवं कार्यकारिणी सदस्य अजय कुमार तिवारी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी प्रस्तावों को संस्था की राष्ट्रीय कार्यकारिणी द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई। निर्णय लिया गया कि कार्यशालाओं के लिए कार्यस्थल शीघ्र सुनिश्चित कर अप्रैल माह से कार्यक्रम प्रारंभ किए जाएंगे। इन कार्यशालाओं में आम नागरिकों एवं सदस्यों को यातायात नियमों के पालन, सुरक्षित वाहन संचालन एवं दुर्घटना के समय घायल व्यक्तियों की त्वरित सहायता के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा।

बैठक के अंत में जिला कमेटी द्वारा महामंत्री वीरेंद्र कुमार शर्मा का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत एवं आभार व्यक्त किया गया।

पुलिस की संवेदनशील पहल से टला बड़ा हादसा – पानी की टंकी पर चढ़ी महिला को सकुशल नीचे उतारा

समझाइश और मानवीय संवाद से जीती जंग – विदिशा पुलिस ने बचाई एक ज़िंदगी

सिरोंज विदिशा।

सिरोंज के ग्राम बामोरीशाला में एक संवेदनशील घटना सामने आई, जहां एक महिला पानी की टंकी पर चढ़कर कूदने की धमकी दे रही थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची।

मौके पर महिला निदा पत्नी मेहबूब खां (उम्र 19 वर्ष), निवासी अयोध्याबस्ती थाना सिरोंज, हाल निवासी ग्राम गढ़ीपुरा बामोरीशाला, अपनी मां आरजू बी एवं परिजनों के साथ पानी की टंकी पर चढ़ी हुई थी। परिजन उसे समझाने का प्रयास कर रहे थे, किंतु वह नीचे उतरने को तैयार नहीं थी और लगातार कूदने की धमकी दे रही थी।

पुलिस की सूझबूझ और कार्रवाईः

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने बिना समय गंवाए स्वयं पानी की टंकी पर चढ़कर महिला से संवाद स्थापित किया। महिला ने बताया कि उसे उसके परिजन ससुराल जाने से रोक रहे हैं, जिससे वह मानसिक रूप से व्यथित है।

पुलिस द्वारा अत्यंत धैर्य, समझाइश एवं भरोसा दिलाते हुए उसे आश्वस्त किया गया कि उसकी समस्या का समाधान कराया जाएगा और उसे किसी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। लगातार समझाइश के बाद महिला शांत हुई और सुरक्षित नीचे उतरने के लिए तैयार हो गई।

सुरक्षित रेस्क्यू एवं समापनः

पुलिस टीम द्वारा महिला एवं उसके परिजनों को सुरक्षित पानी की टंकी से नीचे उतारा गया तथा महिला को उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया। इस त्वरित एवं संवेदनशील कार्रवाई से एक बड़ा हादसा टल गया।

'टीबी मुक्त भारत'सौ दिवसीय अभियान का शुभारंभ गांधी चिकित्सा महाविद्यालय,भोपाल में आयोजित

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

विश्व क्षय रोग दिवस दिनांक 24 मार्च के अवसर पर मध्यप्रदेश में ÷टीबी मुक्त भारत अभियान -100 दिवसीय अभियान (फेज-2)÷ का राज्य स्तरीय शुभारंभ गांधी चिकित्सा महाविद्यालय, भोपाल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल द्वारा अभियान का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत टीबी जागरुकता बढ़ाने हेतु क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा विजेताओं को सम्मानित किया गया। साथ ही स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कर संभावित टीबी रोगियों की स्क्रीनिंग, बीएमआई का माप, रक्तचाप जांच, एनीमिया जांच एवं द्य हैंडहेल्ड एक्स-रे के माध्यम से टीबी जांच की गई। उपमुख्यमंत्री द्वारा ÷विकसित भारत 2047÷ के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु जनभागीदारी को महत्वपूर्ण बताते हुए अधिकाधिक टीबी मरीजों को गोद लेने का आह्वान किया गया। साथ ही प्रदेश के सभी 313 विकासखंडों में एआई आधारित हैंडहेल्ड एक्स-रे उपकरण उपलब्ध कराने हेतु जनप्रतिनिधियों के माध्यम से प्रदाय किये जाने की बात कही गई। मिशन संचालक द्वारा जानकारी दी गई कि 100 दिवसीय अभियान (फेज-2) में विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों एवं उच्च जोखिम समूह वाले चिन्हित ग्रामों में सघन टीबी स्क्रीनिंग एवं सक्रिय खोज गतिविधियों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

पतेरिया टोला के युवाओं ने विधायक शरद कोल को सौंपा ज्ञापन; ट्रांसफार्मर, पुल और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की मांग

कैलाश कुमार अहिरवार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

ब्यौहारी (शहडोल) 7 जनपद पंचायत ब्यौहारी के ग्राम पतेरिया टोला के ग्रामीणों एवं ऊर्जावान युवाओं ने सोमवार, 23 मार्च को अपनी विभिन्न जनसमस्याओं के निराकरण हेतु क्षेत्रीय विधायक श्री शरद कोल को ज्ञापन सौंपा। युवाओं ने विधायक को क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं से अवगत कराते हुए शीघ्र समाधान की अपील की। लो-वोल्टेज और सिंचाई की

समस्या पर चर्चा : ग्रामीण दीपक सिंह परस्ते ने विधायक को बताया कि ग्राम पतेरिया टोला में पिछले कई वर्षों से कम क्षमता का ट्रांसफार्मर होने के कारण %लो-वोल्टेज% की गंभीर समस्या बनी हुई है। वोल्टेज कम होने से किसानों के सिंचाई पंप नहीं चल पा रहे हैं, जिससे फसलों को नुकसान हो रहा है और दैनिक घरेलू कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं।

ज्ञापन में रखी गई मुख्य मांगें

ग्रामीणों ने विधायक के समक्ष निम्नलिखित प्रमुख बिंदुओं पर तत्काल कार्रवाई की मांग रखीः * बिजलीः पतेरिया टोला में वोल्टेज की समस्या को दूर करने के लिए उच्च क्षमता का नया ट्रांसफार्मर स्थापित किया जाए।

* आवागमनः पतेरिया टोला और उचेहरा के बीच बहने वाली ओदारी नदी पर पुल का निर्माण कराया जाए, ताकि बरसात के दिनों में ग्रामीणों को होने वाली परेशानी खत्म हो सके।

* स्वास्थ्यः ग्राम बुधसार स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र में हरूएवं ष्टाह

की स्थाई पदस्थापना की जाए, जिससे क्षेत्र के मरीजों को समय पर इलाज मिल सके।

विधायक ने दिया आश्वासन : विधायक श्री शरद कोल ने युवाओं और ग्रामीणों की बातों को गंभीरतापूर्वक सुना। उन्होंने आश्वासन दिया कि क्षेत्र का विकास उनकी प्राथमिकता है और ज्ञापन में उल्लेखित सभी मांगों के निराकरण के लिए वे संबंधित विभागों के अधिकारियों से चर्चा कर हर संभव प्रयास करेंगे।

इस अवसर पर दीपक सिंह परस्ते, राहुल सिंह परस्ते, रामकुमार सिंह नेटी, जैन सिंह नेटी, राजभान सिंह नेटी, ललिता सिंह, सोरी नाना सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। अंत में सभी ने विधायक महोदय का आभार व्यक्त करते हुए %सेवा जोहार% ज्ञापित किया।

13 लाख के शौचालय का भ्रष्टाचार,130 दिन भी नहीं टिक पाया, साहब ने लोगों का टॉयलेट तक न छोड़ा

कैलाश कुमार अहिरवार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

अनूपपुर - नगर परिषद बनगवां शायद किसी पहचान का मोहताज नहीं है ।जब यह ग्राम पंचायत था उस समय से लेकर अब तक इसके भ्रष्टाचार की गाथा जिला ही नहीं संपूर्ण मध्य प्रदेश में गाने लायक है ।इस नगर परिषद की घोषणा पूर्व मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने टूटते राजनगर को बचाने के लिए किया था। कि इसके बाद नगर परिषद बनगवां का पर्याप्त विकास होगा एवं यहां के लोगों का जीवन स्तर में सुधार आएगा ,यही सब सपनों को देखते हुए पूर्व मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने ग्राम पंचायत से उन्नयन करके इसका गठन नगर परिषद के रूप में किया ।लेकिन शायद इस बात का अंदाजा भी पूर्व मुख्यमंत्री जी को नहीं रहा होगा कि वह यहां के लोगों का जीवन स्तर सुधारने के लिए नहीं बल्कि यहां के भ्रष्टाचारियों के लिए खजाना खोल कर जा रहे हैं। हुआ भी वही नगर परिषद की गठन के बाद यहां भ्रष्टाचार का ऐसा खेल खेला गया कि नगर परिषद बनगवां को जिले नहीं संभाग नहीं बल्कि पूरे मध्य प्रदेश में पहचाना जाने लगा ।गठन से पहले ही यहां संविलियन घोटाले की सुगबुगाहट शुरू हो चुकी थी और मध्य प्रदेश में व्यापम जैसे घोटाले की पुनरावृत्ति

तीनों नगर परिषद में हो गई ।उसके बाद यहां नवीन परिषद में खरीदी और निर्माण कार्यों में भी जमकर भ्रष्टाचार हुआ। लेकिन यह भ्रष्टाचार यही खत्म होने का नाम नहीं ले रहा था नगर परिषद का चुनाव हुआ और फिर शुरू हुआ भ्रष्टाचार का पार्ट-2 सखी सैया तो खुबाय कमात है, ठेकेदार डायन खाए जात है

नगर परिषद बनगवां द्वारा बनवाए गए काली मंदिर के पास सामुदायिक शौचालय जो कि लगभग 13 लाख की लागत से बनवाया गया था ।जो निर्माण कार्य के पश्चात 13 महीने भी नहीं चल पाया । यह सामुदायिक शौचालय महज दो महीने में ही इसकी टाइल्स उखड़ने लगी तथा जमीन और दीवाल में दरारें आना शुरू हो गई। इसकी शिकायत और इसकी सच्चाई जब वार्ड पार्षदों द्वारा जनता के सामने दिखाया गया तो आनन फानन में उसको पुनः सुधारने का कार्य किया गया। लेकिन सोचने वाली बात यह है कि तेरह लाख का सामुदायिक शौचालय महज दो महीने में ही क्यों टूटने की कगार पर आ गया। नगर परिषद बनगवां द्वारा अपने चहेते ठेकेदारों को निर्माण कार्य का ठेका दिया जाता है। जिसकी वजह से उनके द्वारा इन निर्माण कार्यों में जमकर भ्रष्टाचार किया जाता है।

अपने विकास कार्यों में प्रमुखता से दिखाया था, पर भ्रष्टाचार ने मुंह दिखाने लायक न छोड़ा

नगर में हो रहे भ्रष्टाचारों पर जब लोगों ने उंगली उठाने शुरू कर दिए। तो नगर परिषद अध्यक्ष यशवंत सिंह द्वारा बड़ी ही चालाकी से एक ऐआई जेनरेटेड वीडियो बनवाया गया। ताकि लोगों को भ्रमित किया जा सके इस वीडियो में खान प्रबंधन द्वारा बनवाए गए निर्माण कार्यों को भी दिखाया गया साथ ही मध्य प्रदेश शासन द्वारा पहले से निर्मित भवनों को भी प्रदर्शित किया गया ।लेकिन कहते हैं ना की

÷सच्चाई छुप नहीं सकती बनावट के वसूलों से और खुशबू आ नहीं सकती कागज के फूलों से÷

हुआ भी वही नगर परिषद द्वारा 13 लाख के करीब की राशि से बनवाए गए सामुदायिक शौचालय में बनवाई गई दीवाल में दरार तथा वहां की टाइल्स उखड़ कर टूटने लगी जिससे इनका भ्रष्टाचार जग जाहिर हो गया।

ब्रांडेड ठेकेदारों का ब्रांडेड काम, जब सैया है कोतवाल तो डर कहे का

नगर परिषद बनगवां में सभी कार्य कुछ गिने चुने ठेके द्वारा द्वारा ही कराए जाते हैं। जिससे सभी निर्माण कार्यों में जमकर भ्रष्टाचार होता है ।क्योंकि ठेकेदारों को भी पता है कि जब अध्यक्ष ही अपने बीच का है तो हम पर क्या कार्यवाही होगी इस वजह से नगर परिषद द्वारा बनवाए गए सामुदायिक शौचालय का ठेका भी उनके एक चाहेते ठेकेदार को सौंपा गया। जिस पर उन्होंने जमकर भ्रष्टाचार किया और वह शौचालय महज दो महीने के अंदर ही क्षतिग्रस्त होने लगा। कमीशन खोरी की ऐसी लत लगी है। कि किसी भी कार्य को गुणवत्तापूर्ण बना पाना संभव ही नहीं है । जिसकी वजह से सभी निर्माण कार्य में जमकर भ्रष्टाचार किया जाता है और दोयम दर्जे की निर्माण सामग्री का प्रयोग करते हुए कार्य पूर्ण कर दिया जाता है ।अगर ठेका देते समय पारदर्शिता बरती जाती तो यह काम शायद गुणवत्तापूर्ण होता।

सतना - डॉ. भीमराव अम्बेडकर कोचिंग सेंटर का परीक्षा परिणाम रहा उत्कृष्ट, छात्रों में हर्ष

कैलाश कुमार अहिरवार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

सतना - शहर के अम्बेडकर वार्ड नंबर 1 स्थित डॉ. भीमराव अम्बेडकर कोचिंग सेंटर ने इस वर्ष भी अपनी सफलता की परंपरा को बरकरार रखा है। हाल ही में घोषित हुए प्राथमिक एवं माध्यमिक बोर्ड परीक्षा परिणामों में कोचिंग के छात्र-छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन कर संस्थान का नाम रोशन किया है।

शानदार सफलता के आंकड़े

संस्थान के संचालक ने जानकारी देते हुए बताया कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी परीक्षा परिणाम अत्यंत उत्साहजनक रहे हैं: * कक्षा 8वीं- कुल परीक्षा परिणाम 86% रहा।

* कक्षा 5वीं-कुल परीक्षा परिणाम 80% दर्ज किया गया।

होनहारों को मिलीं मंगलकामनाएं

इस उपलब्धि पर कोचिंग सेंटर प्रबंधन ने सभी सफल छात्र-छात्राओं को हार्दिक बधाई दी है। संस्थान की ओर से जारी संदेश में कहा गया कि बच्चों की कड़ी मेहनत और शिक्षकों के सही मार्गदर्शन का ही यह परिणाम है। शिक्षकों ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आगे भी इसी तरह अनुशासित रहकर शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

अभिभावकों ने जताया आभार

वार्ड नंबर 1 के स्थानीय निवासियों और अभिभावकों ने कोचिंग सेंटर की शिक्षण शैली की सराहना की है। अभिभावकों का कहना है कि संस्थान न केवल किताबी ज्ञान बल्कि बच्चों के सर्वांगीण विकास पर भी ध्यान दे रहा है, जिससे क्षेत्र के बच्चों का शैक्षणिक स्तर सुधर रहा है।

सिरोंज नगर पालिका का 2026-27 बजट पारित, 2000 का शुद्ध लाभ; विकास कार्यों पर जोर

विदिशा - सिरोंज, नगर पालिका परिषद सिरोंज की बजट बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट सर्वसम्मति से पारित किया गया। बैठक में अनुमानित आय 1,94,63,20,228 एवं अनुमानित व्यय 1,94,63,18,228 रखा गया, जिससे 2000 का शुद्ध लाभ दर्शाया गया है। बजट में शहर के विकास और नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता दी गई है। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 60 करोड़ का प्रावधान किया गया है। साथ ही आगामी 5 वर्षों के विकास के लिए विभिन्न योजनाएं तैयार कर बजट में शामिल की गई हैं। शहर में वर्षा जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए ड्रेनेज सिस्टम हेतु 50 लाख तथा प्रत्येक वार्ड में सड़क एवं नाली निर्माण के लिए 1 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा पार्कों के निर्माण, संधारण एवं सौंदर्यीकरण के लिए 50 लाख और गौशाला निर्माण के लिए 1 करोड़ की राशि निर्धारित की गई है। बैठक में नगर पालिका क्षेत्र के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। पूरी बैठक शांतिपूर्ण वातावरण में

संपन्न हुई और सभी प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष मनमोहन साहू, उपाध्यक्ष मनोज शर्मा, पार्षदगण रामदयाल विश्वकर्मा, रानी सचिन शर्मा, हरि चरण अहिरवार, नदीम उर्फ नंदू भाई, अजमल शेरखान, फहीम भाई, संगीता गुड्डू यादव, खालिद भाई, जय नारायण सेन, राजेंद्र कुशवाहा, धर्मेंद्र जैन, रुपेश यादव, संजय सोनी, इमरान कुरेशी, टीकाराम शाक्य, बलजीत यादव, फारूक गोरी, राजा भाई सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

मीणा समाज ने धूमधाम से मनाया भगवान मीनेश का प्रकटोत्सव

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

रायसेन। जिला मुख्यालय रायसेन स्थित श्री कृष्ण गौशाला परिसर में भगवान मीनेश के प्रकटोत्सव का कार्यक्रम बड़े ही श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान सत्यनारायण की कथा, हवन एवं विधि-विधान से पूजन के साथ हुई। इसके पश्चात गौशाला परिसर में गौ माता का पूजन कर उन्हें हरा चारा एवं अन्य आहार ग्रहण कराया गया। तत्पश्चात भगवान मीनेश की विधिवत पूजा-अर्चना एवं आरती कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

इस पावन अवसर पर जिले भर से आए सामाजिक बंधुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजनों एवं युवाओं की उत्साहपूर्ण सहभागिता देखने को मिली, जिससे पूरे परिसर में धार्मिक एवं सामाजिक एकता का वातावरण बना रहा। मुख्य अतिथि द्वारा समाज के लिए प्रेरणादायक उद्बोधन दिया गया, जिसमें सामाजिक एकता को मजबूत करने, कुरीतियों को समाप्त करने, मृत्यु भोज एवं दहेज प्रथा जैसी सामाजिक बुराइयों को रोकने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही युवाओं को उच्च शिक्षा प्रदान करने, उन्हें स्वरोजगार से जोड़ने और समाज को शिक्षित एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए सभी से मिलकर कार्य करने का आह्वान किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष बबलू यशवंत मीणा उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में मीणा समाज सेवा संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष मलखान सिंह मीणा, प्रदेश मंत्री दीवान सिंह मीणा, प्रदेश मंत्री एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष दातार सिंह मीणा, प्रदेश मंत्री रघुवीर मीणा, नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि हेमराज मीणा, भाजपा जिला उपाध्यक्ष ओमप्रकाश मीणा, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि सोनू मीणा सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। संगठन पदाधिकारियों में जिला अध्यक्ष मिट्ठूलाल मीणा, युवा अध्यक्ष माधव मीणा, ,संगठन महामंत्री भगवान सिंह मीणा (पटवारी), संगठन उपाध्यक्ष किशन सिंह मीणा, तोफान मीणा, नारायण सिंह मीणा, लीलाकिशन मीणा, इन्दल मीणा, भंवरलाल मीणा, प्रह्लाद मीणा जिला मीडिया प्रभारी प्रकाश मीणा सरपंच सुरेंद्र मीणा, सरपंच महेश मीणा, सरपंच हरिओम मीणा सरपंच रघुबीर मीणा एवं समस्त सामाजिक बंधु कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सहभोज (प्रसादी) का आयोजन किया गया, जिसमें सभी सामाजिक बंधुओं एवं अतिथियों ने एक साथ बैठकर प्रसादी ग्रहण की। सहभोज के माध्यम से समाज में एकता, भाईचारा एवं आपसी सहयोग की भावना को और अधिक मजबूत किया गया। अंत में सभी अतिथियों एवं सामाजिक बंधुओं का आभार व्यक्त करते हुए समाज की उन्नति, एकता एवं धार्मिक परंपराओं को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम का समापन प्रसादी वितरण के साथ हुआ।

बाघ की अंतर्राष्ट्रीय महिला तस्कर की दूसरी जमानत भी निरस्त वन्यजीव तस्करों पर कड़ी कार्रवाई

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

वन्य जीव अपराधों से जुड़े तस्करों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है। इस दिशा में कार्यवाही करते हुए स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स, मध्यप्रदेश एवं वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरों नई दिल्ली ने 10 साल से फरार, अंतर्राष्ट्रीय बाघ तस्कर यांगचेन लाचुंगपा को, अंततः2 दिसम्बर 2025 को भारत-चीन की अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास लाचुंग, मंगन, जिला उत्तर सिक्किम (सिक्किम) में कई महीनों की कड़ी मेहनत के बाद गिरफ्तार किया था। जुलाई 2015 में सतपुडा टाइगर रिजर्व नर्मदापुरम में बाघ एवं पेंगोलिन के अवैध शिकार और बाघ की हड्डियों व पेंगोलिन के स्केल की नेपाल के रास्ते चीन में अवैध तस्करी करने वाले गिरोह के विरूद्ध प्रकरण 2015 में दर्ज किया था जिसमें यांगचेन लाचुंगपा वांछित थी। प्रकरण की गंभीरता के कारण वन मुख्यालय ने इसे स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स (एसटीएसएफ) को विवेचना के लिए सौंप दिया था। एसटीएसएफ ने एक संगठित एवं अंतराष्ट्रीय गिरोह का पर्दाफाश किया जिसमें अभी तक कुल 31 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। यांगचेन लाचुंगपा अंतर्राष्ट्रीय बाघ तस्करी गिरोह की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। जिसका नेटवर्क भारत, भूटान, और चीन तक फैला हुआ है। यांगचेन लाचुंगपा के गिरोह के कई देशों में फैले नेटवर्क को देखते हुए भारत

सरकार के अनुरोध पर इंटरपोल के द्वारा यांगचेन लाचुंगपा के विरूद्ध रेड नोटिस भी जारी किया गया है यांगचेन लाचुंगपा मूल रूप से चीन के स्वायत्त क्षेत्र तिब्बत की निवासी है एवं भारत में मुख्यतः दिल्ली एवं सिक्किम राज्यों में रहती है।यांगचेन के सर्व प्रथम वर्ष सितम्बर 2017 में भी पकड़ा कर ट्रांजिट रिमांड के लिये पेश किया गया था परन्तु न्यायालय से अंतरित जमानत मिलने के बाद फरार हो गई। उसकी अग्रिम जमानत को मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर ने भी वर्ष 2019 में खारिज कर दिया था। प्रकरण में शामिल आरोपी यांगचेन लाचुंगपा द्वारा प्रथम अपर सेशन न्यायालय नर्मदापुरम मध्यप्रदेश में दूसरी जमानत याचिका दायर की जिसे अपर सेशन न्यायालय नर्मदापुरम द्वारा स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स भोपाल द्वारा की गई विवेचना एवं अभियोजन पक्ष द्वारा दी गई दलीलो व आरोपी की वन्यप्राणियों के तस्करी के अंतर्राष्ट्रीय गिरोह से संबंधित होकर अत्यंत गंभीर एवं संवेदनशील प्रकृति के आधार पर निरस्त की गई।

ब्लूटूथ का आविष्कार कब और कहाँ हुआ था ?आइये जानें इस वायरलेस टेक्नोलॉजी के बारे में रोचक तथ्य

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन
भोपाल मध्य प्रदेश

ब्लूटूथ तो हम सभी इस्तेमाल करते हैं लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं इसके अविष्कार के पीछे की दिलचस्प कहानी दरअसल फोन का ब्लूटूथ इतिहास में एक ऐसे राजा से प्रेरित है जिसका सच में एक दांत नीले रंग का बताया जाता था। ब्लूटूथ तकनीक को सबसे पहले स्वीडन में स्थित दूरसंचार कंपनी एरिक्सन ने 1994 के आसपास निर्माण करना शुरू किया था। ताकि बिना तार डिवाइस आपस में जुड़ सकें। इस टेक्नोलॉजी का उद्देश्य था।मोबाइल, कंप्यूटर और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस को बिना वायर के आपस में कनेक्ट कर डेटा को भेजना आसान बनाना। लेकिन जब टेक्नोलॉजी बन गई तो सबसे बड़ी समस्या थी इसका एक अच्छा और यूनिक नाम क्या रखा जाए। तभी इंटेल के इंजीनियर जिम कार्डच को एक इतिहास की किताब पढ़ते समय एक विचार आया। उन्होंने पढ़ा 10वीं सदी के एक राजा हराल्ड गोरमिसन् के बारे में पढ़ा जिसे लोग हराल्ड ब्लुटूथ कहते थे। कहा जाता है उस राजा का एक दांत काला या नीला दिखाई देता था इसी वजह से उसका नाम पड़ा ब्लूटूथ लेकिन असली कारण सिर्फ दांत नहीं था बल्कि वह राजा

अलग-अलग कबीलों को एक साथ जोड़ने के लिए मशहूर था। उसने डेनमार्क और नॉर्वे के कई हिस्सों को एकजुट किया था।और लोगों को साथ लाया था। इसी बात से इंजीनियर को विचार आया कि यह टेक्नोलॉजी भी अलग-अलग डिवाइस को आपस में जोड़ने का काम करती है। इसलिए इस वायरलेस कनेक्शन टेक्नोलॉजी का नाम ब्लूटूथ रखा गया ताकि यह दिखे कि यह सबको जोड़ने वाली टेक्नोलॉजी है। इतना ही नहीं ब्लूटूथ का जो लोगो है वो भी उसी राजा से प्रेरित माना जाता है। असल में लोगो दो पुराने अक्षरों की बनावट से बना है जो उस राजा के नाम के अक्षर माने जाते हैं। ब्लूटूथ टेक्नोलॉजी का पहला संस्करण 1998 में जारी किया गया था, और तब से यह वायरलेस म्युनिकेशन के लिए एक लोकप्रिय तकनीक बन गई है। आज, ब्लूटूथ का उपयोग विभिन्न डिवाइसों में किया जाता है, जैसे कि हेडफ़ोन, स्पीकर, स्मार्टफ़ोन, और कंप्यूटर।आज ब्लूटूथ दुनिया की सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाली वायरलेस टेक्नोलॉजी बन चुका है और हर फोन में मिलता है। लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि इसका नाम किसी मशीन से नहीं बल्कि एक राजा से आया है।

जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 उदयपुरा में छात्रों ने श्रमदान कर बनाया बोरी बंधान, जल संरक्षण का दिया संदेश

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

उदयपुरा /रायसेन। जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 के तहत जल शक्ति से नवभक्ति कार्यक्रम (प्रथम चरण) का आयोजन विकासखंड उदयपुरा, जिला रायसेन में किया गया। यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम (CMCLDP) क्लास उदयपुरा के अंतर्गत आयोजित हुआ। इस अभियान के अंतर्गत BSW और MSW के छात्रों ने ग्राम खिरिया के पास खेतों से निकलने वाले मछवाई नाले में श्रमदान कर 50 बोरियों से बोरी बंधान (चेकडैम) का निर्माण किया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य जल संरक्षण को बढ़ावा देना और क्षेत्र में जल स्तर सुधारना है। बनाए गए इस बोरी बंधान से न केवल आसपास के पशु-पक्षियों को पानी पीने में सुविधा मिलेगी, बल्कि स्थानीय लोगों के बीच जल संरक्षण के प्रति जागरूकता भी बढ़ेगी। यह प्रयास समाज में ÷जल बचाओ÷ का सकारात्मक संदेश देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। कार्यक्रम में ब्लॉक समन्वयक राममोहन रघुवंशी, परामर्शदाता भरत छीपा, राजेश लोधी, निरंजन अहिरवार, आदित्य मेहरा, गीता व्यास सहित BSW और MSW के कई छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे और सक्रिय भागीदारी निभाई।

साजिश या सच ? मोबाइल चोरी के झूठे आरोप में नाबालिग को फंसाने का आरोप, पिता ने पुलिस से लगाई गुहार

कैलाश कुमार अहिरवार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

शहडोल/सीधी - जिले के थाना सीधी अंतर्गत ग्राम पंचायत कुदरी में एक नाबालिग बालक पर मोबाइल चोरी का झूठा आरोप लगाने का मामला सामने आया है। पीड़ित पिता बाबू लाल अहिरवार ने थाना प्रभारी को शिकायती आवेदन सौंपकर अपने पुत्र संतोष अहिरवार को निर्दोष बताते हुए मामले की निष्पक्ष जांच और उचित कार्यवाही की मांग की है।

क्या है पूरा घटनाक्रम?

प्राप्त जानकारी के अनुसार, घटना 12 फरवरी 2026 की है, जब ग्राम कुदरी निवासी मोतीलाल अहिरवार के घर विवाह समारोह था। प्रार्थी के अनुसार, उनका पुत्र संतोष अपने मित्र अंकित के साथ दुर्गा चौराहे की ओर जा रहा था, तभी रास्ते में उन्हें विपिन अहिरवार मिला। आरोप है कि विपिन ने संतोष को मोबाइल चार्ज करने

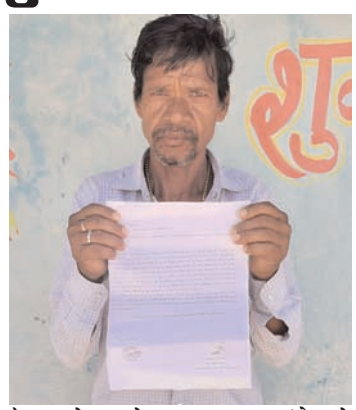

के बहाने अपने घर बुलाया। संतोष ने मोबाइल चार्ज पर लगाया और दोनों वापस बारात में शामिल होने चले गए। बाद में मोबाइल वहां से गायब पाया गया, जिसका आरोप अब संतोष पर लगाया जा रहा है।

पिता का आरोप

बेटे को किया जा रहा मानसिक प्रताड़ित प्रार्थी बाबू लाल अहिरवार का कहना है कि उनका पुत्र संतोष अभी नाबालिग (18 वर्ष से कम) है और उसे जानबूझकर इस मामले में घसीटा जा रहा है। उन्होंने पुलिस को दिए आवेदन में स्पष्ट किया है कि चोरी का आरोप पूरी तरह निराधार है। संतोष उस वक्त विपिन के साथ ही था, ऐसे में उसे अकेला दोषी ठहराना गलत है।

> ÷मेरा बेटा निर्दोष है। उसे और परिवार को मानसिक रूप से परेशान किया जा रहा है। हम चाहते हैं कि पुलिस प्रशासन मामले की गहराई से जांच करे ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो सके।÷
> – बाबू लाल अहिरवार (प्रार्थी)

पुलिस की भूमिका

शिकायती पत्र पर थाना सीधी की मुहर (दिनांक 26/03/2026) अंकित है, जिससे स्पष्ट है कि मामला पुलिस के संज्ञान में आ चुका है। अब ग्रामीणों और परिजनों की नजरें पुलिस की जांच पर टिकी हैं कि क्या एक नाबालिग को इस %झूठे% आरोप से राहत मिल पाएगी।

युवा शक्ति ही राष्ट्र शक्ति व्यक्ति निर्माण से ही साकार होगा विकसित भारत का स्वप्न :यशस्वी सिंह परिहार

दो दिवसीय राज्य स्तरीय युवा संसद का गरिमामय समापन

250 से अधिक युवाओं ने रखे विचार कैबिनेट मंत्री विश्वास सारंग ने प्रशस्तिपत्र देकर किया सम्मानित

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा के मानसरोवर सभागार में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय विकसित भारत युवा संसद का समापन उत्साह, ऊर्जा और नई उम्मीदों के साथ संपन्न हुआ कार्यक्रम में न केवल युवाओं को लोकतांत्रिक मूल्यों से जोड़ा, बल्कि राष्ट्र निर्माण में उनकी निर्णायक भूमिका को भी सशक्त रूप से रेखांकित किया।

समापन अवसर पर मुख्य अतिथि, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने अपने प्रेरक उद्बोधन में प्रतिभागियों को शुभाशीष देते हुए उज्जवल भविष्य की बधाई दी तथा प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया है ।

इस दौरान प्रतिभागी यशस्वी सिंह परिहार ने मीडिया से चर्चा के दौरान कहा कि युवा शक्ति ही राष्ट्र की वास्तविक ताकत है जब तक व्यक्ति का चरित्र, विचार और कर्तव्यबोध मजबूत नहीं होगा, तब तक सशक्त और विकसित भारत का सपना अधूरा रहेगा।÷ उन्होंने युवाओं को केवल व्यक्तिगत सफलता तक सीमित न रहकर समाज और राष्ट्र के व्यापक हित में योगदान

देने का संदेश दिया है ।

बता दे कि कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए 270 प्रतिभागियों ने समसामयिक विषयों पर अपने विचार प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किए है ।

प्रतिभागी प्रीतिका पाण्डेय ने प्रभावी संबोधन मे तर्क, दृष्टिकोण और अभिव्यक्ति से यह सिद्ध किया कि देश का युवा वर्ग न केवल जागरूक है, बल्कि भविष्य के नेतृत्व के लिए पूरी तरह तैयार भी है प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तीन प्रतिभागियों का चयन राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने के लिए किया गया। अपने संबोधन में मंत्री सारंग ने ÷व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण÷ के सिद्धांत को कार्यक्रम का मूल मंत्र बताते हुए कहा कि युवाओं को अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करते हुए नवाचार और प्रगति की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। यही संतुलन उन्हें एक जिम्मेदार नागरिक और प्रभावी नेतृत्वकर्ता बनाता है। उन्होंने केंद्रीय बजट 2026 का उल्लेख करते हुए बताया कि सरकार युवाओं के कौशल विकास, रोजगार सृजन और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। नई नीतियों और योजनाओं के माध्यम से युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं, जिससे भारत को वैश्विक मंच पर एक सशक्त राष्ट्र के रूप में स्थापित किया जा सके । समारोह में इस अवसर पर निर्णायक मंडल के माधव दफ्तरी, अपर सचिव, मप्र विधानसभा, एमएल मनवानी, अपर सचिव, विधानसभा, अक्षत शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार, आदित्य श्रीवास्तव, दूरदर्शन, मध्य प्रदेश एवं चित्रांश खरे, सहायक प्राध्यापक, गर्ल्स कॉलेज, सीहोर भी मौजूद रहे । तथा उपस्थित विशिष्ट अतिथियों, शिक्षाविदों और प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ाया अतिथियों द्वारा प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया है

सरपंच 11 चीखली बनी DPL सीजन-2 की विजेता, 22 रन से जीता फाइनल मुकाबला

देवरी। देवरी में आयोजित नरेंद्र शिवाजी पटेल कप DPL सीजन-2 का फाइनल मुकाबला शानदार रहा, जिसमें सरपंच 11 चीखली टीम ने दमदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया।

फाइनल मैच में सरपंच 11 चीखली (देवेन्द्र धाकड़) ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 58 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी ओमप्रकाश धाकड़ 11 कानीवाड़ा की टीम 36 रन पर ही ऑलआउट हो गई। इस तरह सरपंच 11 चीखली ने 22 रन से जीत दर्ज कर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। कार्यक्रम का समापन मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा, युवा नेता अभिज्ञान नरेंद्र पटेल, नगर परिषद अध्यक्ष रविंद्र रघुवंशी एवं मंडल अध्यक्ष सुनील लोधी की उपस्थिति में हुआ। अतिथियों ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को बधाई देते हुए खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। आयोजन समिति शुभम भाटी और बसंत धाकड़ एवं अन्य सहयोगी द्वारा सफल आयोजन के लिए सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया गया।

शहीद दिवस पर किसानों ने सांकेतिक फाँसी लगा अपने रक्त से पत्र प्रधानमंत्री को पत्र

अमित भटनागर बोले - अब अस्तित्व की लड़ाई है, न्याय नहीं मिला तो आंदोलन पूरे देश में फैलेगा

सटई, छतरपुर। मध्यप्रदेश के छतरपुर और पन्ना जिलों में केनङ्कबेतवा लिंक, माझगाय मध्यम, नैगुवा एवं रुँझ लघु सिंचाई परियोजनाओं से प्रभावित हजारों किसान, महिलाएं और आदिवासी अब अपने अस्तित्व की लड़ाई के लिए सड़कों पर उतर आए हैं। जय किसान संगठन के बैनर तले सामाजिक कार्यकर्ता अमित भटनागर के नेतृत्व में 23 मार्च, शहीद दिवस से 25 मार्च तक ÷सांकेतिक फांसी एवं रक्त-पत्र सत्याग्रह÷ शुरू किया गया है। आंदोलन की शुरुआत नैगुवा लघु सिंचाई परियोजना से प्रभावित सटई तहसील के सिलावट गांव से हुई, जहां लगभग एक सैकड़ा महिलाएं और किसान एकत्रित हुए। यहां लोगों ने सांकेतिक फांसी लगाकर विरोध दर्ज किया और अपने खून से प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर न्याय की गुहार लगाई। महिलाओं द्वारा लिखे गए पत्र में दर्द साफ झलकता है– ÷प्रधानमंत्री जी से करें पुकार, उजड़ रहा है घर-संसार। प्रशासन कर रहा अत्याचार, हमें चाहिए न्याय-अधिकार। प्रभावितों का आरोप है कि यह एक उच्च स्तरीय परियोजना होने के बावजूद जमीनी स्तर पर अधिकारियों द्वारा मनमानी, तानाशाही और कानून की अनदेखी की जा रही है। भूमि अधिग्रहण और पुनर्वास की प्रक्रिया में न तो पारदर्शिता है और न ही प्रभावितों को उनका वैधानिक हक दिया जा रहा है। प्रभावित ममता कुशवाहा ने बताया कि उनका घर, जमीन, पेड़-पौधे सब कुछ छीना जा रहा है, लेकिन मुआवजा केवल जमीन का दिया जा रहा है, वह भी बाजार मूल्य से बहुत कम। जहां जमीन का वास्तविक मूल्य लगभग 10 लाख रुपए प्रति एकड़ है, वहीं शासन द्वारा मात्र 3.5 लाख रुपए प्रति एकड़ दिया जा रहा है, जिससे न तो नया घर बन सकता है और न ही आजीविका स्थापित की जा सकती है। इस कारण परिवार मानसिक तनाव और

बीमारी का शिकार हो रहे हैं। अनीता प्रजापति और सोना अहिरवार सहित अन्य महिलाओं ने भी आरोप लगाया कि उनसे सब कुछ लिया जा रहा है, लेकिन बदले में उन्हें यह तक स्पष्ट नहीं किया जा रहा कि उन्हें क्या और कितना मुआवजा मिलेगा। प्रभावितों का कहना है कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो उनके पास आत्मघाती कदम उठाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा। जय किसान संगठन के नेता सामाजिक कार्यकर्त्ता अमित भटनागर ने कहा कि यह आंदोलन केवल जमीन का नहीं, बल्कि अस्तित्व, सम्मान और अधिकारों की लड़ाई है। उन्होंने प्रधानमंत्री से मांग की कि इस पूरी परियोजना में अधिकारियों की मनमानी और दमनात्मक रवैये की उच्च स्तरीय स्वतंत्र जांच कराई जाए तथा कानून का पालन सुनिश्चित करते हुए प्रभावितों को उचित मुआवजा और सम्मानजनक पुनर्वास दिया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ, तो यह आंदोलन और तेज होकर राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक जनआंदोलन का रूप लेगा। सिलावट के बाद अमित भटनागर अपनी टीम के साथ पन्ना जिले की अजयगढ़ तहसील के मजगांव मध्यम सिंचाई परियोजना प्रभावित गांव पहुंचे हजारों की संख्या में आदिवासी किसान महिलाएं आंदोलन में सम्मिलित हुए। यह सत्याग्रह 25 मार्च तक विभिन्न प्रभावित गांवों में जारी रहेगा, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं, किसान और आदिवासी अपनी भागीदारी निभा रहे हैं।

ये रहे शामिल : सामाजिक कार्यकर्ता अमित भटनागर, रविंद्र सिंह, पार्षद दिव्या अहिरवार, हिसाबी राजपूत, महेंद्र सिंह, सुखलाल कुशवाहा, राहुल अहिरवार, बाबूलाल रजक, ममता कुशवाहा, पुष्पेंद्र राजा, रवि प्रजापति, देवेंद्र सिंह, जमना पटेल, गजेंद्र पटेल, पिल्लई साहू, गोवर्धन कोरी, नितिन प्रजापति, अज्जू दुबे, रमेश पटेल, रामकुंवर कुशवाहा, गिरजा पाल, भागवती कुशवाहा, पार्वती कुशवाहा, अनीता प्रजापति, सोना अहिरवार आदि सम्मिलित हुए।

देवरी में किसान कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन, शासन की नीतियों के खिलाफ तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

देवरी /रायसेनङ्क आज देवरी में ब्लॉक किसान कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में शासन की नीतियों के विरोध में प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एकत्र होकर अपनी मांगों को लेकर तहसीलदार महोदय को ज्ञापन सौंपा।

कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेसी नेता श्री रामेश्वर सिंह रघुवंशी, टोड़ल सिंह पटेल, वीरेन्द्र सिंह ठाकुर, प्रताप सिंह लोधी सहित कई प्रमुख पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। साथ ही प्रदेश समन्वयक पिछड़ा वर्ग कांग्रेस कमेटी (म.प्र.) परसोत्तम सिंह, जिला अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग कांग्रेस कमेटी रायसेन गरुण रघुवंशी, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष देवरी अशोक कुमार स्वामियां, नगर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश शर्मा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

इस दौरान वक्ताओं ने भाजपा सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए किसानों

और आम जनता से जुड़े मुद्दों को उठाया। उन्होंने कहा कि वर्तमान नीतियों से किसानों को पर्याप्त लाभ नहीं मिल रहा है, जिसे लेकर सरकार को पुनर्विचार करना चाहिए। कार्यक्रम में लगभग 50 से अधिक कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे और सभी ने एकजुट होकर विरोध दर्ज कराया। अंत में ब्लॉक किसान कांग्रेस अध्यक्ष यशपाल सिंह लोधी ने सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

रायसेन जिले के ग्राम छातेर की छात्रा कनिष्क बामने ने कक्षा 8 में शानदार सफलता हासिल की

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

रायसेन/उदयपुरा। रायसेन जिले के उदयपुरा विकासखंड अंतर्गत आने वाले ग्राम छातेर की होनहार छात्रा कनिष्क बामने ने कक्षा 8वीं की वार्षिक परीक्षा (सत्र 2025-26) में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

कनिष्क बामने, जिनके पिता रमन बामने हैं, ने कुल 600 में से 528 अंक प्राप्त कर A+ ग्रेड हासिल किया। उनकी इस उपलब्धि से परिवार, स्कूल और पूरे गांव में खुशी का माहौल है। छात्रा रोहित वी.एम. स्कूल, नूरनगर (उदयपुरा) की विद्यार्थी है, जहां उसने अपनी मेहनत और लगन से यह मुकाम हासिल किया।

विषयवार प्रदर्शन

गणितः 96 अंक

विज्ञानः 92 अंक
हिंदीः 91 अंक
अंग्रेजीः 88 अंक
संस्कृतः85 अंक
सामाजिक विज्ञानः 76 अंक

इस शानदार सफलता पर विद्यालय स्टाफ, परिजनों और ग्रामवासियों ने कनिष्क को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

सामाजिक पहल से फिर जुड़ा परिवार, मनमुटाव खत्म कर बसाया गया घर

हल्केवीर सूर्यवंशी, संभागीय संवाददाता

उदयपुरा। गुरुवार को उदयपुरा स्थित श्री सूरत सिंह सदन में वरिष्ठ समाजसेवी रमन बामने द्वारा एक सराहनीय सामाजिक पहल देखने को मिली, जहाँ लंबे समय से चल रहे मनमुटाव और आपसी रंजिश के कारण टूटने की कगार पर पहुँचे दो परिवारों और एक दंपत्ति के रिश्ते को सामाजिक कार्यकर्ताओं के प्रयासों से फिर से जोड़ा गया।

कार्यक्रम में दोनों परिवारों के सदस्यों एवं समाज के गणमान्यजनों को आमंत्रित कर आपसी समझाइश और संवाद के माध्यम

से विवाद को सुलझाया गया। इस पहल के परिणामस्वरूप टूटते हुए घर को पुनः बसाया गया और रिश्तों में नई शुरुआत हुई। इस पुनीत कार्य में वरिष्ठ समाजसेवी हेमंत नरवरिया जी, रमन बामने जी, राजाराम अहिरवार, उमेश अहिरवार, एम.एल. चौधरी, अमर सिंह नरवरिया, वलराम नरवरिया, मनमोहन अहिरवार, नारायण अहिरवार, घनश्याम अहिरवार, गोविंद अहिरवार, रामेश्वर नरवरिया, कडोरीलाल नरवरिया सहित दोनों परिवारों के सम्माननीय सदस्य एवं रिश्तेदार उपस्थित रहे। दोनों परिवारों ने सभी के समक्ष पुराने मतभेदों को भुलाकर आपसी प्रेम और सम्मान के साथ रहने का संकल्प लिया तथा भविष्य में शिकायत का कोई अवसर न देने की बात कही।

इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी श्री हेमंत नरवरिया ने समाज को संदेश देते हुए कहा कि छोटे-छोटे विवादों के कारण रिश्तों को तोड़ना उचित नहीं है, बल्कि संवाद और समझदारी से समस्याओं का समाधान निकालना चाहिए। कार्यक्रम में पत्रकार हल्केवीर सूर्यवंशी की भी उपस्थिति रही। अंत में इस सराहनीय पहल को सफल बनाने वाले श्री हेमंत नरवरिया, रमन बामने एवं सभी उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया गया और उन्हें शुभकामनाएँ दी गईं।

किसानों सहित सभी वर्गों का कल्याण हमारा ध्येयः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छिंदवाड़ा को दी 500 करोड़ रुपए से अधिक लागत के 105 विकास कार्यों की सौगात

भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के साथ मध्यप्रदेश भी आगे बढ़ रहा है। गरीब, किसान, महिला और युवा सहित सभी वर्गों का कल्याण राज्य सरकार का संकल्प है। हमारे लिए सीमा पर जवान और खेतों में किसान, दोनों बराबर हैं। प्रदेश के किसानों को सालभर में 12 हजार रुपए की सम्मान निधि और लाड़ली बहनों को हर महीने 1500 रुपए की सौगात मिल रही है। अन्नदाता की समृद्धि के लिए राज्य सरकार ने वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष घोषित किया है। किसानों की समृद्धि में ही प्रदेश की खुशहाली है। इसी ध्येय से किसानों को फसल उत्पादन के साथ-साथ पशुपालन, दूध उत्पादन, मत्स्य पालन, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण से आय दोगुनी करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। यह प्रदेश का स्वर्णिम काल है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश औद्योगीकरण और युवाओं को रोजगार से जोड़ने में सबसे आगे है। उन्होंने छिंदवाड़ा जिले को 500 करोड़ रुपए से अधिक लागत के 105 विकास कार्यों की सौगात दी। इसमें 133 करोड़ की लागत के तामिया-जुन्नारदेव मार्ग, नल जल योजना के कार्य, पुलिस आवास गृह, माध्यमिक विद्यालय भवन और छात्रावास सहित अन्य विकास कार्यों का लोकार्पण शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय के लिए नया भवन बनाए जाने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंगल क्लिक से प्रदेश के 7008 श्रमिकों के खातों में संबल योजना की 157 करोड़ की राशि का अंतरण किया। कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं में 55 लाख से अधिक हितग्राहियों को 463 करोड़ की राशि अंतरित की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र एवं हितलाभ भी वितरित किये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चैत्र नवरात्रि की महा अष्टमी के दिन छिंदवाड़ा में दीप प्रज्ज्वलित कर एवं कन्या पूजन से कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

प्रदेशवासियों को दी महाअष्टमी और श्रीराम नवमी की मंगलकामनाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि छिंदवाड़ा को लगभग 500 करोड़ और पांढुर्णा को 350 करोड़ से अधिक की अनुपम सौगात मिली है। छिंदवाड़ा और पांढुर्णा के पास जामसांवली में श्री हनुमान लोक के लोकार्पण का सौभाग्य मिला। भगवान श्री हनुमान के बिना तो रामराज्य भी अधूरा सा लगता है। हमारा शासनकाल भगवान श्रीराम के राज्य जैसा होना चाहिए। राज्य सरकार अयोध्या में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर निर्माण के बाद अब मध्यप्रदेश के पवित्र चित्रकूट धाम को तीर्थ के रूप में विकसित कर रही है। विरासत को विकास से जोड़ते हुए प्रदेश में श्रीराम गमन पथ का कार्य जारी है। उज्जैन में बाबा महाकाल, जामसांवली श्री हनुमान धाम, सतना की शारदा मैया जैसे अनेक प्रसिद्ध धर्म स्थलों में महत्वपूर्ण तीर्थ होने के नाते सुविधाएं विकसित की जा रही हैं।

सांसद श्री बंटी विवेक साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव एक कर्मयोगी की तरह प्रदेश को आगे बढ़ा रहे हैं। पांढुर्णा में आज श्री हनुमान लोक का लोकार्पण होने के साथ ही दूसरे चरण के कार्यों की भी घोषणा की गई है। छिंदवाड़ा के जनजातीय अंचलों के लिए 84 उप-स्वास्थ्य केंद्र की स्वीकृत किए गए हैं। प्रदेश में औद्योगिक विकास के साथ-साथ बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए विद्यालय और छात्रावास की भी सौगात मिली है। तामिया-जुन्नारदेव सड़क 2 जिलों को जोड़ रही है। छिंदवाड़ा में एयरपोर्ट के विकास से क्षेत्र की एक अलग पहचान बनेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों के कल्याण के लिए 2026 को कृषि वर्ष घोषित किया है। छिंदवाड़ा कॉर्न (मक्का) सिटी है। छिंदवाड़ा जिले में आज 350 करोड़ से अधिक लागत के सिर्फ लोकार्पण हुए हैं। कार्यक्रम में अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

राज्यपाल श्री पटेल से राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष श्री पवैया ने सौजन्य भेंट की

भोपाल।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल से राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष श्री जयभान सिंह पवैया ने गुरूवार को राजभवन पहुँचकर सौजन्य भेंट की। आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों ने राज्य वित्त आयोग का कार्यभार ग्रहण करने की जानकारी राज्यपाल को दी।

उल्लेखनीय है कि 23 मार्च 2026 को आयोग के अध्यक्ष श्री पवैया के साथ आयोग के सदस्य श्री के. के. सिंह तथा सदस्य सचिव श्री वीरेन्द्र कुमार ने भी अपना-अपना कार्यभार ग्रहण किया है।

राज्यपाल श्री पटेल ने वित्त आयोग की भूमिका, कार्यप्रणाली तथा विभिन्न गतिविधियों को लेकर मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने अपेक्षा व्यक्त की कि राज्य वित्त आयोग अपने उद्देश्यों के अनुरूप कार्य करते हुए प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

इस अवसर पर आयोग के अध्यक्ष श्री पवैया ने राज्यपाल श्री पटेल को आश्वस्त किया कि आयोग को सौंपे गए दायित्वों का पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन किया जाएगा और राज्य के विकास में आयोग अपनी भूमिका प्रभावी ढंग से निभाएगा।

राज्यपाल श्री पटेल ने आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि आयोग को सौंपे गए दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करना ही राज्य और देश की सच्ची सेवा है।

मुख्यमंत्री यादव ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पांढुर्णा जिले के सौसर में विकास कार्यों के भूमि-पूजन और लोकार्पण समारोह में प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने 'भूमि मिसाइल' का जमीनी परीक्षण शुरू किया

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) Su-30MKI विमान से लॉन्च की जाने वाली ÷भूमि÷ नामक वायु-से-सतह मिसाइल का जमीनी परीक्षण कर रहा है। 500-1000 किलोग्राम की पेलोड क्षमता वाली यह मिसाइल लंबी दूरी से सटीक हमले करने में सक्षम होगी और दुश्मन के गढ़ों को नष्ट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।इसे एसयू-30एमकेआई में एकीकृत करने की तैयारी चल रही है।भूमि नामक यह मिसाइल वायु से सतह पर मार करने वाली मिसाइल है। इसका उद्देश्य मजबूत और सुरक्षित दुश्मन ठिकानों पर दूर से सटीक हमले करना है। भूमि एक लंबी दूरी की स्टैंड-ऑफ मिसाइल है। इसका नाम संस्कृत शब्द भूमि से लिया गया है, जिसका अर्थ है पृथ्वी। यह मिसाइल कमांड सेंटर, बंकर और पुल जैसी महत्वपूर्ण संरचनाओं को इतनी दूरी से निशाना बना सकती है कि लड़ाकू विमान दुश्मन की हवाई रक्षा सीमा से बाहर रहें। इस मिसाइल को बीडी-4 लॉन्चर के साथ एकीकृत किया जा रहा है, जिसका उपयोग भारी हथियारों 500 से 1000 किलोग्राम तक के लिए किया जाता है। इससे स्पष्ट होता है कि भूमि मिसाइल अधिक भारी और अधिक घातक होगी। मिसाइल को Su-30MKI के साथ पूरी तरह से संगत बनाने के लिए, भारतीय वायु सेना के सॉफ्टवेयर विकास

संस्थान द्वारा सॉफ्टवेयर में संशोधन किए जा रहे हैं। इससे पायलटों को अपने कॉकपिट सिस्टम से इसे आसानी से संचालित करने की सुविधा मिलेगी। इसके अतिरिक्त, परियोजना को एजेंसियों से आवश्यक स्वीकृतियाँ और प्रमाणन प्रक्रिया से गुजरना पड़ रहा है। इन एजेंसियों की भागीदारी से यह भी संकेत मिलता है कि भविष्य में इसका नौसैनिक संस्करण विकसित किया जा सकता है, जिसका उपयोग समुद्री हमलों या जहाजों के विरुद्ध किया जा सकेगा। कुल मिलाकर, यह जमीनी मिसाइल भारत की लंबी दूरी की सटीक मारक क्षमता को काफी बढ़ाएगी और आधुनिक युद्ध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। भारत के पास वर्तमान में ब्रह्मोस और हैमर-2000 वायु-से-सतह मिसाइलें हैं। इसकी ध्रुवस्त्र मिसाइल, जो एक टैंक-रोधी मिसाइल है, हेलीकॉप्टरों से दागी जाती है। रुद्रम और एलआरएएसएम जैसी लंबी दूरी की वायु-से-सतह मिसाइलों का विकास कार्य चल रहा है, जो दोनों ही विकास के उन्नत चरणों में हैं। अब, इस सूची में एक भूमि-आधारित मिसाइल भी शामिल हो गई है, जिससे भारतीय वायु सेना की जमीनी हमले की क्षमता में वृद्धि हुई है।

संभागायुक्त द्वारा विभागीय योजनाओं के साथ जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा

जबलपुर।

संभागायुक्त श्री धनंजय सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संभाग के सभी कलेक्टरों से शासन के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों एवं प्राथमिकता अभियानों के संबंध में चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान जल गंगा संवर्धन अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि शासन निर्देशानुसार सहभागी विभागों की कार्ययोजना अनुरूप जल संवर्धन की विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यों की सतत मॉनिटरिंग कर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। वीडियो कांफ्रेंस में राजस्व एवं सामान्य प्रशासन से जुड़े मामलों, जिसमें राजस्व न्यायालयों के लंबित प्रकरण, राजस्व वसूली, सीएम हेल्पलाईन, सीपीग्राम, सीएम तथा सीएस मॉनिट, लोक सेवा गारंटी, जीएडी, लोकायुक्त कार्यालय से प्राप्त शिकायतों, लंबित विभागीय जांचों, अनुकंपा नियुक्ति और पेंशन प्रकरणों पर समीक्षा कर इन्हें समय सीमा में निराकरण करने के साथ ही मनरेगा योजना की समीक्षा के दौरान निर्धारित लेबर बजट एवं विगत वर्षों के अपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत स्वीकृत एवं पूर्ण आवासों की जिले वार समीक्षा की गई। प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण अंतर्गत प्रधानमंत्री जनमन योजना और धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष अभियान अंतर्गत स्वीकृति एवं पूर्ण आवासों की समीक्षा भी की गई। साथ ही जल जीवन मिशन अंतर्गत प्रगतिरत योजनाओं को समय सीमा में पूर्ण कराने के लिए निर्देशित किया गया। संभागायुक्त श्री सिंह ने कृषि एवं कृषि संबद्ध विभागों की कृषि वर्ष 2026 की कार्ययोजना की जिलेवार समीक्षा की गई। जिसमें मुख्य रूप से पर ड्रॉप मोर क्रॉप योजना, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना, डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना, हिरण्यगर्भा अभियान एवं क्षीरधारा ग्राम योजना के अलावा मत्स्य पालन में आधुनिक तकनीक का उपयोग करने की समीक्षा की गई। नगरीय प्रशासन विभाग अंतर्गत नगरीय क्षेत्र में एसबीएम 2.0 और अमृत 2.0 प्रोजेक्ट अंतर्गत कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिये गये।

सनातन संस्कृति में यज्ञ का महत्व सर्वश्रेष्ठ है :मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सनातन संस्कृति में यज्ञ का महत्व सर्वश्रेष्ठ है। यज्ञ के माध्यम से देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त होता है और जीवन धन्य हो जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सनातन संस्कृति में बड़े पुण्य व देवताओं की कृपा से मनुष्य का शरीर मिलता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को छिंदवाड़ा के सिहोरा मॉल स्थित रामेश्वरम धाम में सहस्त्र चंडी महायज्ञ के समापन अवसर पर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यज्ञ में सहभागी होकर व्यक्ति अपने जीवन में जाने-अनजाने में हुई गलतियों के लिए क्षमा याचना करता है और यश, सुख तथा समृद्धि की कामना करता है। ऐसे आयोजनों से सनातन संस्कृति के प्रति आस्था मजबूत होती है और सात्विक भाव से जनता की सेवा करने की प्रेरणा मिलती है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवद्गीता के उपदेशों को जीवन में आत्मसात करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए उपस्थित जनसमुदाय को नववर्ष विक्रम संवत 2083 की शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर प्रगति पथ पर

आगे बढ़ रहा है और निडरता के साथ कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि आज नवरात्रि के पावन पर्व पर हनुमान लोक का लोकार्पण भी हुआ है। उन्होंने कहा कि यह शरीर पंचतत्व से बना होता है जिसमें पांच कर्मेन्द्रियां और पांच ज्ञानेन्द्रियां होती है। इन दसों इंद्रियों से लगातार सात्विक भाव से कार्य करने पर सात्विक शक्ति उत्पन्न होती है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव सपत्नीक सहस्त्र चंडी महायज्ञ में शामिल हुए और लगभग 3200 श्रद्धालुओं के साथ प्रदेश की सुख-समृद्धि और कल्याण की कामना करते हुए यज्ञ में पूर्णाहुति दी। महायज्ञ में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संतश्री विवेक जी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया तथा यज्ञ स्थल की परिक्रमा भी की। इसके साथ ही उन्होंने सिहोरामाल स्थित भगवान शंकर के मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के लिए मंगलकामनाएं कीं।

इस अवसर पर सांसद श्री विवेक बंटी साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव का इस सहस्त्र चंडी महायज्ञ में शामिल होना गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि माँ दुर्गा का आशीर्वाद प्रदेश को मिलता रहे। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में नंबर वन कार्य हो रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड, तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। **संपादक** : नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)